Result Mitra Daily Magazine

थाइलैंड के नये प्रधानमंत्री एवं भारत-थाइलैंड संबंध

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में 16 अगस्त को थाइलैंड के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पेटोंगटारन शिनावात्रा को 18 अगस्त को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई दी है।
- भारतीय प्रधानमंत्री ने पेटोंगटारन शिनावात्रा को बधाई देते हुए कहा कि भारत और थाइलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध को मजबूत करने के लिये वे उत्सुक हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भारत और थाइलैंड के लोग सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक रूप से लोगों से लोगों की जुडाव की मजबूत नींव पर आधारित है।
- थाइलैंड के प्रधानमंत्री का चुनाव पिछले वर्ष अगस्त 2023 में हुआ था।
- अगस्त 2023 में थाइलैंड के प्रधानमंत्री के लिये हुए आम चुनाव में शिनावात्रा की पार्टी "प्रोग्रेसिव मूव फॉरवर्ड पार्टी" (MFP) ने सबसे अधिक सीटें जीती थी।
- हालांकि 2023 के हुए आम चुनाव के बाद पेंटोगटारन शिनावात्रा के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा (2001-06) ने दक्षिणपंथी पार्टी फेऊ थाई के साथ गठबंधन कर फेऊ थाई पार्टी के नेता श्रेथा थावसिन को प्रधानमंत्री पद के लिये नियुक्त किया।
- अगस्त 2023 में श्रेथा थावसिन थाइलैंड के नए प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त हुए।
- हालांकि श्रेथा थावसिन के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक वर्ष बाद 14 अगस्त 2024 को थाइलैंड की संवैधानिक अदालत ने श्रेथा थावसिन को अपने आदेश से प्रधानमंत्री पद से हटा दिया।
- अदालत ने अपने फैसले में कहा कि श्रेथा थावसिन ने नैतिक मानकों का उल्लंघन करते हुए कई भ्रष्टाचार किए एवं अपनी मंत्रीमंडल में दोषसिद्ध व्यक्ति को मंत्री के रूप में नियुक्त किया।
- अदालत के फैसले के 48 घंटे के भीतर 37 वर्षीय पेटांगटारन शिनावात्रा ने 16 अगस्त को थाइलैंड की दूसरी महिला प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

❖ कौन है पेटोंगटारन शिनावात्रा :

- युवा पेटोंगर्टान शिनावात्रा अब तक के थाइलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री है।
- पेटोंगर्टान शिनावात्रा का राजनीतिक सफर सिर्फ 3 वर्ष पहले 2022 में शुरू हुआ था।

- पेटोंगर्टान शिनावात्रा ने यूनाइटेड किंगडम से होटल मैनेजमेंट का अध्ययन किया तथा वे थाकसिन के रेडें होटल समूह का एमडी (MD) के रूप में कार्यरत रही।
- थाईकॉम फाउंडेशन की आधिकारिक साइट पर उनकी प्रोफाइल के अनुसार पेटोंगर्टान शिनावात्रा का जन्म बैंकॉक में हुआ एवं वे एससी एसेट कॉरपोरेशन के प्रमुख शेयरधारक और थाइकॉम फाउंडेशन के निर्देशक के रूप में कार्यरत है।
- वर्ष 2008 में पेटोंगर्टान शिनावात्रा ने चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र एवं मानव विज्ञान से स्नातक की डिग्री हासिल की।

❖ पेटोंगर्टान शिनावात्रा की राजनीतिक यात्रा :

- पेटोंगर्टान शिनावात्रा की राजनीतिक कैरियर की शुरूआत लगभग 3 वर्ष पहले 2022 में "फीयू थाई परिवार के प्रमुख" के रूप में शुरू हुआ।
- अप्रैल 2023 में थाइलैंड में होने वाले आम चुनाव से पहले पेटोंगर्टान शिनावात्रा को औपचारिक रूप से तीन प्रधानमंत्री उम्मीदवारों में से एक के रूप में नामित किया गया था।
- पेटोंगर्टान शिनावात्रा की संक्षिप्त राजनीतिक यात्रा में उनके पास कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं है, हालांकि वे वर्तमान में थाइलैंड के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत है।
- बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक प्रोफाइल के अनुसार पेटोंगर्टान शिनावात्रा खुद को एक दयालु पूँजीवादी एवं सामाजिक उदारवादी नेता बताती हैं जो थाइलैंड के नए "समान विवाह कानून" का पूरी तरह से समर्थन करती है।

❖ थाकसिन शिनावात्रा :

- पेटोंगर्टान शिनावात्रा के पिता थाकसिन शिनावात्रा जो वर्तमान में 75 वर्ष के हैं, राजनीति में आने से पहले थाइलैंड पुलिस में कार्यरत थे।
- थाकसिन शिनावात्रा ने थाइलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में वर्ष 2001 से 2006 तक कार्यभार संभाला।
- थाकसिन शिनावात्रा ने थाइलैंड के कुलीन वर्ग जैसे व्यवसायी, नौकरशाह और प्रभावशाली राजशाही एवं सेना से जुडे अन्य सत्ताधारी लोगों के प्रति विरोध जताया।
- थाइलैंड में राजशाही परिवार एवं सेना दोनों संस्थाओं को थाइलैंड की संवैधानिक राजशाही में एक-दूसरे को मदद करने के रूप में देखा जाता है।
- वर्ष 2001 में थाइलैंड के प्रधानमंत्री बनने के बाद थाकसिन शिनावात्रा की कल्याणकारी नीतियों ने गरीब और ग्रामीण लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता को बढाने में मदद क।
- हालांकि वर्ष 2006 में थाकसिन पर यह आरोप लगा कि उन्होंने अपने परिवार और व्यवसाय को बढाने के लिये काम किया जिसके परिणामस्वरूप उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।
- हालांकि वर्ष 2011 में थाकसिन की बहन थिंगलक थाइलैंड के पहली महिला महिला प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त हुई लेकिन 2014 में हुए थाइलैंड में सैन्य तख्तापलट के बाद उनके खिलाफ न्यायिक आदेश जारी करने के बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया।
- अगस्त 2023 के थाइलैंड में हुए आम चुनाव में थाइलैंड की जनता ने देश की राजनीति में सेना और थाई राजघराने के दशकों पुराने प्रभुत्व को समाप्त करने के लिये थाकसिन के नेतृत्व वाली प्रोग्रेसिव मूव फॉरवर्ड पार्टी (MFP) का समर्थन किया।
- इस आम चुनाव में थाकसिन के नेतृत्व वाली प्रोग्रेसिव मूव फॉरवर्ड पार्टी 500 सीटें वाली निचले सदन में 141 सीटें जीतकर सबसे बडी पार्टी के रूप में उभरी।

❖ आगे क्या ?

- पेटोंगर्टान शिनावात्रा के थाइलैंड के प्रधानमंत्री बनने के बाद विभिन्न विश्लेषकों का मानना है कि पेटोंगर्टान की प्रशासनिक अनुभवहीनता और सरकार का नेतृत्व करने की बडी जिम्मेदारी को देखते हुए उनको अपने पिता थाकसिन शिनावात्रा के छत्रछाया में काम करना पड सकता है।
- थाइलैंड के अशांत राजनीतिक इतिहास को देखते हुए उनके लिये अपना राजनीतिक अस्तित्व कायम रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

Result Mitra

- ज्ञातव्य है कि वर्ष 1932 में थाइलैंड के संवैधानिक राजतंत्र बनने के बाद स ेअब तक 19 बार सैन्य तख्तापलट हो चुका है।
- पेटोंगर्टान के लिये सबसे बडी चुनौती देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।
- थाइलैंड में वर्ष 2014 के सैन्य तख्तापलट के बाद से थाइलैंड की अर्थव्यवस्था सिर्फ 1 से 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढी है जबकि इसी अवधि में पूरे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की अर्थव्यवस्था 5 प्रतिशत से अधिक प्रतिवर्ष की दर से बढ रही है।
- वर्ष 2014 के बाद से थाइलैंड के द्वारा सस्ते श्रम और बुनियादी ढाँचे के निवेश के कारण अपनी अर्थव्यवस्था मजबूत करने का प्रयास किया लेकिन थाइलैंड को अपने औद्योगिक आधार को और विकसित करने के लिये संघर्ष करना पड रहा है।

❖ थाइलैंड की अर्थव्यवस्था :

- वर्ष 2022 के आंकडे के अनुसार थाइलैंड की कुल जीडीपी 495 बिलियन यूएस डॉलर है जो एशिया की 9वीं सबसे बडी अर्थव्यवस्था है।
- थाइलैंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से निर्यात पर निर्भर है जो वर्ष 2021 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 58% था।
- निर्यात के बाद औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र देश की कुल GDP का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है।

- जनसंख्या - 70 मिलियन
- मुद्रा - थाई बाट
- प्रतिव्यक्ति GDP - 7812 यूएस डॉलर
- मुख्य उद्योग - ओटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक उपकरण, पर्यटन, सीमेंट, प्लास्टिक, कृषि प्रसंस्करण
- निर्यात - मशीनरी (23%), इलेक्ट्रॉनिक्स (19%), ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव पार्ट्स (12%)
- कुल निर्यात (2023) - 287.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- मुख्य निर्यातक देश - आसियान (23.5%), अमेरिका (17%), जापान (9%), यूरोपीय संघ (8%)
- मुख्य आयातित वस्तु - ईंधन, उपभोक्ता वस्तु, कृषि आधारित कच्चा माल, मशीनरी पार्ट
- प्रमुख आयात साझेदार - चीन, आसियान, जापान, यूरोपीय संघ, अमेरिका, भारत

❖ भारत-थाइलैंड द्विपक्षीय संबंध :

- भारत और थाइलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध भारत की आजादी के बाद वर्ष 1947 में स्थापित हुआ।

- थाइलैंड के लोगों का भारत से सांस्कृतिक जुडाव लगभग 1500 ईसा पूर्व से ही है।
- भारत थाइलैंड के साथ अंडमान निकोबार द्वीप समूह के अंडमान सागर के साथ लंबी समुद्री सीमा साझा करता है।
- थाई जो थाइलैंड के लोगों को संदर्भित करता है, भारत की शास्त्रीय भाषा संस्कृत का शब्द है जो भारत का थाइलैंड के साथ सदियों पुराना सांस्कृतिक लगाव को दर्शाता है।
- थाइलैंड की एक्ट वेस्ट नीति (1996) एवं भारत की लुक ईस्ट नीति (1993) दोनों देशों के आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने में योगदान दे रही है।

❖ आर्थिक एवं वाणिज्यिक सबंध :

- वर्ष 2021-22 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 14.8 मिलियन डॉलर का था जो दोनों देश के द्विपक्षीय व्यापार का अब तक का उच्चतम स्तर है।
- वर्ष 2019 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था।
- भारत, थाइलैंड का आसियान क्षेत्र में सिंगापुर, वियतनाम, इंडोनेशिया एवं मलेशिया के बाद 5वां सबसे बडा व्यापारिक भागीदार है।

❖ रक्षा सहयोग :

- भारत और थाइलैंड के दोनों सेनाओं के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास के साथ क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये भागीदार रहा है।
- भारत और थाइलैंड की सेनाओं के बीच वार्षिक संयुक्त अभ्यास में अभ्यास मैत्री (थल सेना), सियाम भारत अभ्यास (वायु सेना) तथा भारत- थाइलैंड समन्वित गश्त (नौसेना) शामिल है।

❖ पर्यटन :

- भारत और थाइलैंड के लोग सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से जुडे हुए हैं जिस क्रम में वर्ष 2019 के आंकडे के अनुसार लगभग 2 मिलियन भारतीय पर्यटक ने थाइलैंड का दौरा किया जबकि 1.6 मिलियन थाई पर्यटक ने भारत के बौद्ध तीर्थ स्थलों का दौरा किया।
- वर्ष 2009 में बैंकॉक में स्वामी विवेकानंद संस्कृति केन्द्र की स्थापना की गई जो भारत-थाइलैंड के सांस्कृतिक लगाव को दर्शाता है।

❖ अंतर्राष्ट्रीय संगठन :

- भारत और थाइलैंड विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोगी रहा है, जिनमें आसियान क्षेत्रीय मंच (ARF), पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, बिम्सटेक, एशिया सहयोग वार्ता (ACD) और मेकांग-गंगा सहयोग (MGC) प्रमुख है।

Result Mitra